Roll No : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **4**

AP–487

M.A. (Final) Examination, 2021

SANSKRIT

Paper - V

(निबन्ध, व्याकरण एवं अनुवाद)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

(खण्ड–ब) **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

(खण्ड–स) **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ प्रत्येक 2

1. निम्नांकित सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराणि देयानि, नैव पञ्चशताधिक शब्देषु भवितव्यमुत्तरम्।

(अ) ससूत्रं अशुद्धिसंशोधनं कुरु–

(i) रामात् बाणेन हतो बाली।

(ii) मोहनः आसने अध्यास्ते।

(ब) सोदाहरणं व्याख्या कुरु–

(iii) सिद्धे शब्दार्थ सम्बन्धे।

(iv) रक्षोहागमलब्धसन्देहा प्रयोजनम्।

(v) तव्यत्तव्यानीयरः।

(vi) सप्तम्यांजनेर्डः।

(vii) उत्सादिभ्योऽञ्।

(viii) गहादिभ्यश्च।

(ix) उगितश्च।

(x) द्विगोः।

खण्ड–ब

केचन पञ्चप्रश्नाः समाधेयाः। उत्तरं द्विशतशब्देषु **(200)** नैवाधिकम्।

2. अधोलिखित गद्यांशस्य संस्कृतभाषायामनुवादः विधेयः–

''ईश्वर की सृष्टि विचित्रताओं से भरी हुई है। इसका जितना अन्वेषण किया जायेगा, उतनी ही विचित्रताओं को नई-नई शृंखलाएँ मिलती जायेंगी। कहाँ एक छोटा-सा बीज और कहाँ उससे उत्पन्न एक विशाल वृक्ष ? दोनों में महान् अन्तर है, तथापि दोनों में घनिष्ठ सम्बन्ध वर्तमान है। वह छोटा बीज ही बढ़ते-बढ़ते एक विशाल वृक्ष के रूप में परिणत हो जाता है और वह वृक्ष पत्र, पुष्प तथा फल से सम्पन्न होकर इस पृथ्वी तल को मण्डित करता है।'' 8

3. गौरित्यत्र कः शब्दः ? इति यथाशास्त्रं विविच्यताम्। 8

4. सूत्राणां सोदाहरणं व्याख्या कुरु–

(i) कर्मण्यण्।

(ii) युवोरनाकौ।

(iii) कृत्यल्युटो बहुलम्।

(iv) आभीक्ष्ण्येणमुल्। 2×4=8

5. सूत्राणां सोदाहरणं व्याख्या कुरु–

(i) अत इञ्।

(ii) अश्वपत्यादिभ्यश्च।

(iii) नद्यादिभ्यो ढक्।

(iv) ग्रामाद्य-खञौ। 2×4=8

6. सूत्राणां सोदाहरणं व्याख्या कुरु–

(i) तस्याऽपत्यम्।

(ii) राष्ट्राऽवारपाराद्घ-खौ।

(iii) तेन दीव्यति-खनति-जयति जितम्।

(iv) प्रमाणे द्वयसज्दघ्नञ्मात्रच:। 2×4=8

7. सूत्राणां सोदाहरणं व्याख्या कुरु–

(i) अजाद्यतष्टाप्।

(ii) षिद् गौरादिभ्यश्च।

(iii) बह्वादिभ्यश्च।

(iv) स्वाङ्गाच्चोपसर्जनादसंयोगोपधात्। 2×4=8

8. सूत्राणां सोदाहरणं व्याख्या कुरु–

(i) पूर्वपदात् संज्ञायाभग:।

(ii) अरूत्तरपदादौपम्ये।

(iii) ल्वादिभ्यश्च।

(iv) यजयाचयत विच्छप्रच्छरक्षो नङ्। 2×4=8

खण्ड–स प्रत्येक 20

निम्नाङ्कितेषु प्रश्नेषु द्वयो: प्रश्नयो: देयानि–

9. व्याख्या कार्या–

(i) शब्दानुशासनं नाम शास्त्रमधिकृत वेदितव्यम्। केषां शब्दानामुपशासनं क्रियते ?

(ii) शब्दस्य ज्ञाने धर्म आहोस्वित्प्रयोगे ?

10. अधोलिखितेषु चतुर्णां पदानां रूपसिद्धिः कुरुत–

(i) कार्यम्

(ii) कर्ता

(iii) गोदः

(iv) जनमेजयः

(v) उष्णभोजी

(vi) पारदृश्वा

(vii) दर्शकः

(viii) करः

11. अधोलिखितेषु चतुर्णां पदानां रूपसिद्धिः कुरुत–

(i) पचन्ती

(ii) कुरुचरी

(iii) गार्ग्यायणी

(iv) युवतिः

(v) पञ्चतयम्

(vi) गोमान्

(vii) लोमशः

(viii) सायन्तनम्

12. निम्नलिखितेषु एकं विषयमधिकृत्य निबन्धः संस्कृतभाषायां लिखत–

(i) ज्ञानराशिर्वेदः।

(ii) काव्येषु नाटकं रम्यं, तत्र रम्या शकुन्तला।

(iii) भारतीय दर्शनानि।

(iv) मुखं व्याकरणं स्मृतम्।

(v) वाक्यं रसात्मकं काव्यम्।

(vi) आधुनिकाः संस्कृत साहित्यकाराः।